

# Prof. (Dr.) Sohan Raj Tater

B.E.(Mech.), M.E. (P.H.), M.A. (Philo), M.Ed.,  
Ph.D., D.Litt. (Edu.), D.Sc. (Yoga), D.Litt. (Philo.)

Former Vice Chancellor, Singhania University, Rajasthan.  
Advisor, OIUCM, Srilanka, JNU Bangladesh.  
Vice President, Akhil Bhartiya Darshan Parishad Jabalpur (M.P.).  
Emeritus Professor - NAIU (U.S.A.), TWU (U.K.), OIUCM (Srilanka),  
JNU (Bangladesh), Jodhpur National and Singhania University.  
Ph.D. Research Supervisor in India & Abroad Universities.  
Former Member, B.O.M., J.V.B.U., Ladnun (Raj.).  
Former Director, Brahmi Vidhyapith College, Ladnun (Raj.).  
Former Editor, Preksha Dhyam Magazine, Ladnun (Raj.).  
Retired Superintending Engineer, P.H.E.D., Raj. Govt.  
Former Convener, Parmarthik Shikshan Santha, Ladnun (Raj.).  
Former Adviser, J.V.B.U., Ladnun (Raj.).

## Associate Member :

Council for Research in Values  
and Philosophy Washington  
D.C. 20064 (U.S.A.).  
Peace Next, World Religion  
Parliament, Melbourne (Australia).

## Patron & Life Member :

Akhil Bhartiya Darshan  
Parishad, Jabalpur (M.P.).  
Gyansagar Science Foundation,  
New Delhi.  
Siwanchi Malani Regional  
Therapanth Sansthan, Balotra (Raj.).  
Dharma Darshan Seva Sansthan,  
Udaipur (Raj.).

## Chief Patron & Life Member :

U.P. Naturopathy & Yoga  
Teachers & Physicians  
Association, Lucknow (U.P.).

## Life Member :

The International Congress of Social  
Philosophy, Dharwad (Kr.).  
Indian Philosophical Congress  
New Delhi.  
NIAMS, Bangalore (Kr.).  
Indian Society of Yoga  
Varanasi (U.P.).  
The International Congress of Yoga  
& Spiritual Science, Dharwad (Kr.).  
All India Oriental Conference,  
Pune (Maharashtra).  
Indian Society of Gandhian  
Studies, Chandigarh (Punjab).  
Jain Vishva Bharati Ladnun (Raj.).  
Indian Holistic Medical Academy,  
Salem (T.N.).  
Anuvrat Vishva Bharati  
Rajsamand (Raj.).  
Therapanth Professionals Form  
Mumbai (Maharashtra).  
Acharya Tulsi Shanti  
Pratisthan Gangashar (Raj.).  
Jain Swetamber Therapanthi  
Mahasabha, Kolkata (W.B.).  
Indian Society U3A (Advisor).  
Rajasthan Pensioners  
Association.  
International Association of  
Lions Club.  
M.B.M. Engg. College Alumini  
Association.  
Upasak, Jain Swetamber  
Therapanthi Mahasabha,  
Kolkata (W.B.).  
Arbitrator A.B.T.Y.P.  
Observer, Diagambar Jain Trilok  
Sansthan, Hastinapur (U.P.).

## Awards :

Indo-Nepal Harmony.  
Rajiv Gandhi.  
Indira Gandhi Rastriya Akta Award.  
Samaj Bhusan.  
Jain Gyan Vigyan Manishi.  
Bharat Excellence.  
Bharat-Bhutan Friendship.  
Gem of Yoga, Gem of Naturopathy.  
Yuvak Ratan, A.B.T.Y.P.  
Samaj Seva Puraskar, 2008.  
Meharshi Patanjali International.  
Four Awards in P.H.E.D. by  
Rajasthan Govt.



शुभ कामना संदेश

दिनांक : 23.11.2018

यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि भारतीय महिला दार्शनिक परिषद् 2-4 दिसम्बर 2018 को अपनी 12 वीं वार्षिक कान्फ्रेंस "वसुधैव कुटुम्बकम्" चिंतनधारा पर पंजाब विश्वविद्यालय, चेंडीगढ़ के दर्शन विभाग में हर्षोल्लास के साथ आयोजित करने जा रही है। 11 वर्ष तक लगातार सफलतापूर्वक वार्षिक कान्फ्रेंस आयोजित करना स्वतः सिद्ध है कि परिषद् लगातार उन्नति कर रही है। इस परिषद् का "संरक्षक" होने के नाते मेरा दायित्व है कि मैं स्वयं इस अवधि में कान्फ्रेंस के दौरान उपस्थित रहकर अपनी भूमिका अदा करूँ। परन्तु हाल ही मेरे दोनों घुटने बदले जाने के कारण मेरा शरीर मोबिलिटी अवस्था में नहीं होने से मेरी विवशता है। यह नियति का योग है।

जिस देश में दार्शनिक महिलाएँ सक्रिय हैं, उस देश का भविष्य उज्ज्वल है। भूतकाल के इतिहास में झाँकें तो मैत्रयी, गार्गी, लोपा मुद्रा एवं घोषा जैसी दार्शनिक महिलाओं ने समाज सुधार में अपनी अहम् भूमिका निभाई है। ईश्वर ने नारी जाति को पुरुषों की तुलना में अद्वितीय विशेषताएँ प्रदान की हैं। नारी लक्ष्मी, सरस्वती एवं दुर्गा देवियों का त्रिवेणी संगम है। नारी करुणा की प्रतिमूर्ति, वात्सल्य, दया, लज्जा, संकोच मानवीय गुणों से ओत-प्रोत होती है। नारी अपने भीतर अश्लील पक्ष को मिटाकर दैविक एवं मानवीय गुणों को धारण करे तो पुरुष जाति के बच्चे, युवा, नौजवान एवं बुजुर्ग नारी से संस्कार प्राप्त कर सकते हैं। भगवान ने माँ बनने का दर्जा नारी को ही दिया है, इस मायने में नारी पुरुष से बहुत आगे है। खैर! स्त्री-पुरुष गृहस्थी रूपी गाड़ी के दो पहिए हैं, जिनमें संतुलन आवश्यक है।

पूरे देश की दार्शनिक महिलाएँ हमारी वैश्विक अवधारणा "वसुधैव कुटुम्बकम्" पर इस कान्फ्रेंस में गहन चिंतन कर नवनीत निकालेंगी, जिससे हमारी संस्कृति के गिरते मूल्यों की पुनर्स्थापना में मदद मिलेगी। इस संस्था का 'संरक्षक' होने के नाते शुभकामना एवं मंगल भावना प्रेषित करता हूँ कि यह कान्फ्रेंस ऐतिहासिक इवेंट बनकर समाज में जागरूकता लावे।

आप सभी के प्रति मंगल भावना,

शुभेच्छु,

प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़  
पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय  
राजस्थान, संरक्षक, महिला दार्शनिक परिषद्  
[www.drsohanrajtater.com](http://www.drsohanrajtater.com)  
Mobile App : Drsohanrajtater